वार्षिक रिपोर्ट 2019-2020 – हिन्दी विभाग

TIC – डॉ मधु लोमेश

सत्र 2019-2020 के अंतर्गत हिन्दी विभाग में जिन गतिविधियों का संचालन किया गया उसका विवरण इस प्रकार है :-

1. ओरिएंटेशन प्रोग्राम – हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार की छात्राओं के लिए 24 जुलाई 2019 को ओरिएंटेशन प्रोग्राम रखा गया जिसमे ANI से राष्ट्रीय सुरक्षा विषयों से जुड़े पत्रकार श्री अजित दूबे ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया |

2. दिनांक 13 अगस्त 2019 को आज तक के सुप्रसिद्ध एंकर सईद अंसारी पत्रकारिता की छात्राओं सहित हिन्दी विभाग के बीच मौजूद रहे |

3. 16 सितंबर 2019 – 20 सितंबर 2020 के बीच एक सप्ताह का हिन्दी पखवाड़ा आयोजित किया गया जिसमे वृक्षारोपण, पुस्तक प्रदर्शनी, फोटो प्रदर्शनी , हिन्दी एवं हिन्दी पत्रकारिता विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया | मुख्य अतिथि के रूप में सुमाइरा खान टी वी एंकर , सुश्री कुसुम शर्मा कवयित्री , प्रमोद शर्मा पत्रकार आमंत्रित किया गए |

4. हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में हिन्दी कविता पाठ , वाद विवाद और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया |

5. हिन्दी पत्रकारिता के विशेष व्याख्यान के लिए IP university महाराजा अग्रसेन कॉलेज से श्री उमेश पाठक को बुलाया गया |

6. लोकतन्त्र में चुनाव विषय पर लोकसभा चैनल की टीम के द्वारा कॉलेज परिसर में छात्राओं एवं प्राध्यापिकाओं से समूह चर्चा को रिकॉर्ड कर प्रसारित किया गया |

7. 5 जून 2020 को ऑनलाइन PRISM WEBINAR का आयोजन किया गया |

8. 19 मई 2020 को कोरोना काल में मीडिया की भूमिका विषय पर वेबिनार आयोजित किया गया।

अदिति समाचार

अदिति महाविद्यालय, दिल्ली यूनिवर्सिटी हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार (विशेष)

अंक-67

आभार-
प्राचार्य-डॉ ममता शर्मा
विभागाधिकारी-डॉ मधु लोमेश

छात्र संपादक-
चैल्सी रघुवंशी
रेनुका राजपुत

अदिति महाविद्यलाय द्वारा अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में वेब सेमिनार सम्पन्न।

14 अप्रेल को माननीय भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती को अदिति महाविद्यालय द्वारा समरसता दिवस के रूप मे मनाया गया। इसी उपलक्ष्य में अदिति महाविद्यालय आन्तरिक गुणवता आश्वासन समिति की तरफ से मंगलवार शाम 4 से 5.45 बजे तक 'भारतीय साहित्य में सामाजिक समरसता और भीमराव अम्बेडकर जी की कॉमन सिविल कोड बिल की अवधारणा' विषय पर वेब सेमिनार का आयोजन किया गया । इसमें श्री श्रीधर पराड़कर जी,राष्ट्रीय संगठन मंत्री अखिल भारतीय साहित्य परिषद् मुख्य अतिथि रहे। पराड़कर जी ने अपने वक्तव्य में भारतीय साहित्य और समाज में सामाजिक समरसता के स्वरूप और महत्व का प्रतिपादन करते हुए डा अम्बेडकर जी के स्वतंत्रता,समता और बन्धुत्व मे से बन्धुत्व को अधिक महत्व देने के कारण गिनाते हुए बताया की समता और स्वतंत्रता कानून से लाई जा सकती है लेकिन बन्धुत्व व्यक्ति मन का भाव है जो किसी कानून से लाना सम्भव नही है।जिसके लिए मनुष्य को अपने मन के द्वार खोलने होंगे। मुख्य वक्ता के रूप मे श्री बलवन्त जानी जी रहे। जिन्होने राजस्थानी समाज से अनेक उदाहरण देकर समाज मे समरसता की स्थिति को स्पष्ट किया। मणिपुर विश्व विद्यालय के प्रोफेसर यशवंत सिंह ने बताया की किस प्रकार मणिपुर का समाज आज भी समरस है। वहां,वर्ण,वर्ग या लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नही किया जाता। कार्यक्रम में जे एन यू से डा प्रवेश कुमार और अदिति महाविद्यालय की डा सुनीता बहमनी ने डा भीम राव अम्बेडकर जी की कॉमन सिविल कोड बिल की अवधारणा और आज के समय मे उसकी प्रसंगिकता पर बल दिया। डा प्रवेश कुमार ने बताया की सबसे अधिक योगदान स्त्रियों के जीवन को समरस बनाने मे अम्बेडकर जी का है। उन्होने एतिहासिक शाहबानो केश और 2017 के वर्तमान सरकार द्वारा तीन तलाक के विरुद्ध कानून के उदाहरण द्वारा सभी धर्म की महिलाओं की एक जैसी समस्याओं की और भी इंगित करते हुए कॉमन सिविल कोड बिल की प्रासंगिकता को स्पष्ट किया। डा सुनीता बहमनी ने बताया की संविधान के आर्टिकल 44 के अनुसार कॉमन सिविल कोड बिल को लागू किया जा सकता है और वर्तमान मे गोवा एक मात्र भारत का ऐसा राज्य है जहां वर्तमान में कॉमन सिविल कोड बिल अस्तित्व मे है।अदिति महाविद्यालय आन्तरिक गुणवता आश्वासन समिति की कन्वीनर डा नीलम राठी ने आज की परिस्थिति में डा अम्बेडकर जयंती का समरसता दिवस के रूप मे मनाए जाने को समाज में विषमता से समता की और कदम दर कदम बढाने के लिए अतुलनीय प्रयास बताया। कार्यक्रम में देश विदेश के 301 विद्वानों ने भाग लिया। अदिति महाविद्यलाय की प्रचार्या डा ममता शर्मा जी ने अपनी भाव भीनी शब्दावली से भीम राव अम्बेडकर जी को श्रद्धान्जलि प्रदान करने के साथ साथ सभी अतिथियों का स्वागत और धन्यवाद ज्ञपित किया। वेब सेमिनार में भाग लेने वाले प्रत्येक सदस्य को ई सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

लॉक डाऊन की स्थिति में ज़ूम क्लाउड पर आयोजित ये वेब सेमिनार जहां अम्बेडकर जी के जन्म दिन पर उन्हें श्रद्धान्जलि अर्पित करता है वहीं तकनीक और विषयवस्तु के एक साथ कदम बढाने की नई पहल भी करता है।

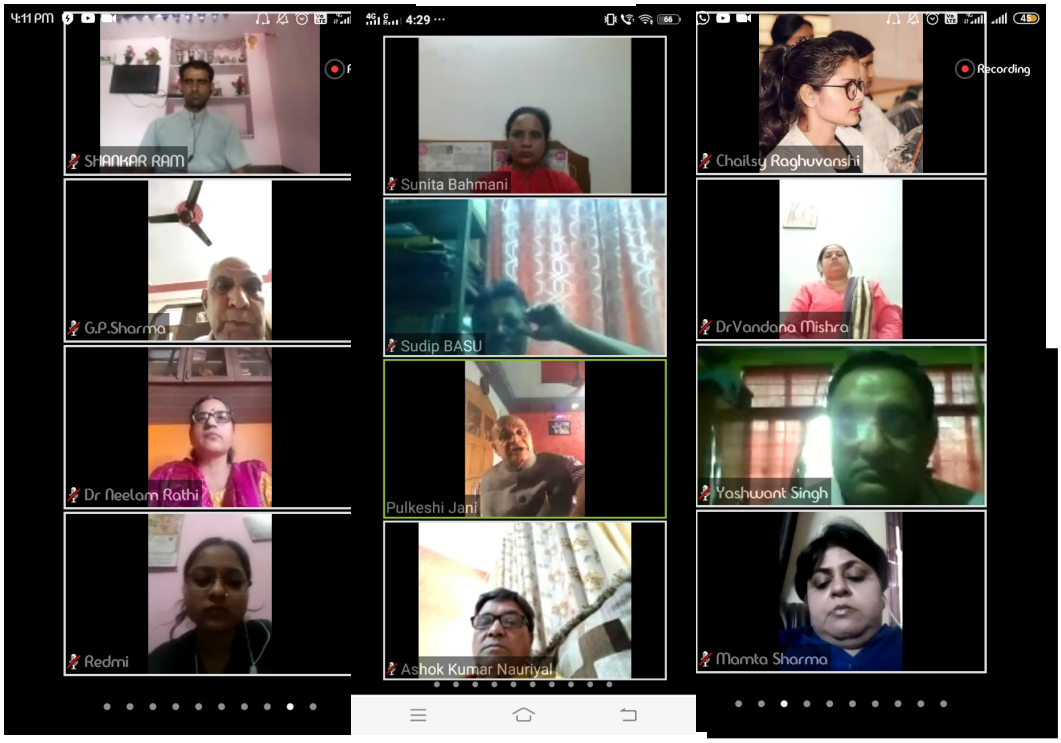

मैं हिन्दी हूं ।।*
मैं *सूरदास की दृष्टि* बनी
तुलसी हित चिन्मय सृष्टि* बनी
मैं *मीरा के पद की मिठास*
रसखान के नैनों की उजास*
मैं हिन्दी हूं।।
हरिवंश की हूं मैं मधुशाला*
ब्रज, अवधी, मगही की हाला*
अज्ञेय मेरे हैं भग्नदूत*
नागार्जुन की हूं युगधारा*
मैं हिन्दी हूं।।
मैं *आन बान और शान बनूं*
मैं *राष्ट्र का गौरव मान बनूं*
यह दो *तुम मुझको वचन आज*
मैं *तुम सबकी पहचान बनूं*
मैं हिन्दी हूं।।

विशेष समाचार

वाद-विवाद प्रतियोगिता

राजधानी दिल्ली के बवाना इलाके में स्थित अदिति महाविद्यालय में "हिन्दी सप्ताह" का आयोजन किया गया। हर साल की तरह ही इस साल भी कॉलेज में हिन्दी सप्ताह को बड़े ही धूम-धाम से मनाया गया। साथ ही हिंदी के महत्व से परिचित कराने के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें सभी छात्राओं ने बखुबी से अपना पक्ष-विपक्ष के विचार 3 मिनट में प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली व अव्वल आनी वाली छात्राओं को प्रमाण पत्र के साथ राशि भी दी गई। मैं पत्रकारिता विभाग का धन्यवाद देना चाहूंगी जिसने हमें अपनी मातृ भाषा में अपने विचारों को मजबूती से रखने के लिए मंच प्रदान किया।

मैं दुनिया की सभी भाषाओं की इज्जत करता हूं पर मेरे देश में हिंदी की इज्जत न हो, यह मैं सह नहीं सकता। - आचार्य विनोबा भावे

आशुभाषण प्रतियोगिता

अदिति महाविद्यालय में आयोजित 'हिन्दी सप्ताह' को सफल बनाने के लिए आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें की छात्राओं को उसी दौरान कुछ सामाजिक विषय जैसे- कामकाजी महिलओं की समस्याएं, युवाओं का सोशल मीडिया के प्रति बढ़ता रूझान और महिला सशक्तिकरण आदि दिए गए। कॉलेज की छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में भाग लेते हुए इन विषयों पर अपनी सकारात्मक सोच रखी।

स्वरचित कविता-पाठ प्रतियोगिता

हिंदी दिवस के अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के अदिति महाविद्यालय में हिंदी पत्रकारिता विभाग के संयोग से स्वरचित कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें की कॉलेज के हर विभाग की छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। इस प्रतियोगिता के अन्तर्गत छात्राओं को किसी भी विषय पर स्वरचित कविता को प्रस्तुत करना था। वहीं प्रतियोगिता में स्वरचित कविता पाठ के लिए के लिए केवल 3 मिनट की अवधि दी गई। स्वरचित कविता के निर्णायक मंडल के रूप में डॉ तृप्ता शर्मा थी। साथ ही इस प्रतियोगिता की विजयी छात्राओं को प्रमाणपत्र और विजयी राशि भी दी गई।

जीवन की परिभाषा

जन-जन की भाषा है हिंदी
भारत की आशा है हिंदी.....
जिसने पूरे देश को जोड़े रखा है
वो मजबूत धागा है हिंद .....
हिन्दुस्तान की गौरवगाथा है हिंदी
एकता की अनुपम परम्परा है हिंदी...
जिसके बिना हिन्द थम जाए
ऐसी जीवनरेखा है हिंदी...
जिसने काल को जीत लिया है
ऐसी कालजयी भाषा है हिंदी...
सरल शब्दों में कहा जाए तो
जीवन की परिभाषा है हिंदी...

फोटो शीर्षक-लेखन प्रतियोगिता

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में अदिति महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय में फोटो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर महाविद्यालय की प्राचार्या ममता शर्मा और जानी - मानी साहित्यकार एवं कवियत्री कुसुम शर्मा उपस्थित रहें। सर्वप्रथम कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्या ममता शर्मा ने किया। हिंदी दिवस पर फोटो प्रतियोगिता के अन्तर्गत सभी कोर्स की छात्राएँ प्रतिभागी रहीं। इस प्रतियोगिता के अन्तर्गत छात्राओं को कुछ विषय दिए जिसके अनुसार उन्हें फोटो खिचकर उस पर एक वाक्य में उसकी टिप्पणी करनी थी अर्थात उसको शीर्षक लिखें। इस प्रतियोगिता की विजयी छात्राओं को प्रमाणपत्र दिये गये। प्रमाणपत्र हमारी प्राचार्या ममता शर्मा द्वारा प्रदान किया गया।

सम्पादकीय पृष्ठ

हिन्दी का आधुनिकरण और उसकी वास्तविकता का बदलता स्वरुप...

हिंदी विश्व की प्राचीन, समृद्ध और सरल भाषा है। हिंदी भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में बोली जाने वाली भाषा है। हिंदी हमारी 'राजभाषा' है। दुनिया की भाषाओं का इतिहास रखने वाली संस्था एथ्नोलॉग के मुताबिक हिंदी दुनिया में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली तीसरी भाषा है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिंदी ही भारत की राजभाषा होगी। इस निर्णय के बाद हिंदी को हर क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के अनुरोध पर 1953 से पूरे भारत में 14 सितंबर को हर साल हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

भारत सालों तक अंग्रेजों का गुलाम रहा। इसी वजह से उस गुलामी का असर लंबे समय तक देखने को मिला। यहां तक कि इसका प्रभाव हमारी भाषा में पर भी पड़ा। वैसे तो हिन्दी दुनिया की तीसरी ऐसी भाषा है जिसे सबसे ज्यादा लोग बोलते हैं लेकिन इसके बावजूद हिन्दी को अपने ही देश में हीन भावना से देखा जाता है। आमतौर पर हिन्दी बोलने वाले को पिछड़ा व अनपढ़ माना जाता और अंग्रेजी में अपनी बात कहने वाले को आधुनिक कहा जाता है।

इसे हिन्दी का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि इतनी समृद्ध भाषा कोष होने के बावजूद आज हिन्दी लिखते और बोलते वक्त ज्यादातर अंग्रेजी भाषा के शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है। और तो ओर हिन्दी के कई शब्द चलन से ही हट चुके हैं। ऐसे में हिन्दी दिवस को मनाना जरूरी है ताकि लोगों को यह याद रहे कि हिन्दी उनकी राजभाषा है और उसका सम्मन व प्रचार-प्रसार करना उनका कर्तव्य है। हिन्दी दिवस मनाने के पीछे मंशा यही है कि लोगों को एहसास दिलाया जा सके कि जब तक वे इसका इस्तेमाल नहीं करेंगे तब तक हिन्दी भाषा का विकास नहीं होगा।

हिन्दी से जुड़े दिलचस्प तथ्य, जिन्हें पढ़कर होगा आपको गर्व

1. हिन्दी विश्व में चौथी ऐसी भाषा है जिसे सबसे ज्यादा लोग बोलते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, वर्तमान में भारत में 43.63 फीसदी लोग हिन्दी भाषा बोलते हैं। जबकि 2001 में यह आंकड़ा 41.3 फीसदी था। तब 42 करोड़ लोग हिन्दी बोलते थे। जनगणना के आंकड़ों के अनुसार 2001 से 2011 के बीच हिन्दी बोलने वाले 10 करोड़ लोग बढ़ गए। साफ है कि हिन्दी देश की सबसे तेजी से बढ़ती भाषा है।

2. इसे आप हिन्दी की ताकत ही कहेंगे कि अब लगभग सभी विदेशी कंपनियां हिन्दी को बढ़ावा दे रही हैं। यहां तक कि दुनिया के सबसे बड़े सर्च इंजन गूगल में पहले जहां अंग्रेजी कॉनटेंट को बढ़ावा दिया जाता था। वही गूगल अब हिन्दी और अन्य क्षेत्रीय भाषा वाले कॉन्टेंट को प्रमुखता दे रहा है। हाल ही में ई-कॉमर्स साइट अमेजन इंडिया ने अपना हिन्दी ऐप्प लॉन्च किया है। ओएलएक्स, क्विकर जैसे प्लेटफॉर्म पहले ही हिन्दी में उपलब्ध हैं। स्नैपडील भी हिन्दी में है।

3. इंटरनेट के प्रसार से किसी को अगर सबसे ज्यादा फायदा हुआ है तो वह हिन्दी है। 2016 में डिजिटल माध्यम में हिन्दी समाचार पढ़ने वालों की संख्या 5.5 करोड़ थी, जो 2021 में बढ़कर 14.4 करोड़ होने का अनुमान है।

4. 2021 में हिन्दी में इंटरनेट उपयोग करने वाले अंग्रेजी में इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों से अधिक हो जाएंगे। 20.1 करोड़ लोग हिन्दी का उपयोग करने लगेंगे. गूगल के अनुसार हिन्दी में कॉन्टेंट पढ़ने वाले हर साल 94 फीसदी बढ़ रहे हैं, जबकि अंग्रेजी में यह दर सालाना 17 फीसदी है।

5. अभी विश्व के सैंकड़ों विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है और पूरी दुनिया में करोड़ों लोग हिन्दी बोलते हैं। यही नहीं हिन्दी दुनिया भर में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली पांच भाषाओं में से एक है।

6. दक्षिण प्रशान्त महासागर के मेलानेशिया में फिजी नाम का एक द्वीप है। फिजी में हिन्दी को आधाकारिक भाषा का दर्जा दिया गया है। इसे फिजियन हिन्दी या फिजियन हिन्दुस्तानी भी कहते हैं। यह अवधी, भोजपुरी और अन्य बोलियों का मिलाजुला रूप है।

7. पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, न्यूजीलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, युगांडा, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद, मॉरिशस और साउथ अफ्रीका समेत कई देशों में हिन्दी बोली जाती है।

8. साल 2017 में ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में पहली बार 'अच्छा', 'बड़ा दिन', 'बच्चा' और 'सूर्य नमस्कार' जैसे हिन्दी शब्दों को शामिल किया गया।

स्त्रोत-गूगल

हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम

आशुभाषण प्रतियोगिता

फोटो शीर्षक-लेखन प्रतियोगिता

वाद-विवाद प्रतियोगिता

स्वरचित कविता-पाठ प्रतियोगिता

अदिति समाचार

अदिति महाविद्यालय, दिल्ली यूनिवर्सिटी हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार (विशेष)

हिन्दी विशेषांक

सितम्बर,2019

अंक - 66

आभार-
प्राचार्य-डॉ ममता शर्मा
विभागाधिकारी-डॉ मधु लोमेश

छात्र संपादक-
चैल्सी रघुवंशी
रेनुका राजपुत

प्रमुख खबरें

- आशुभाषण प्रतियोगिता
- वाद-विवाद प्रतियोगिता
- फोटो शीर्षक लेखन प्रतियोगिता
- स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता

मैं हिन्दी हूं ।।*
मैं *सूरदास की दृष्टि* बनी
***तुलसी हित चिन्मय सृष्टि* बनी**
मैं *मीरा के पद की मिठास*
रसखान के नैनों की उजास
मैं हिन्दी हूं।।
हरिवंश की हूं मैं मधुशाला
ब्रज, अवधी, मगही की हाला
अज्ञेय मेरे हैं भग्नदूत
नागार्जुन की हूं युगधारा
मैं हिन्दी हूं।।
मैं *आन बान और शान बनूं*
मैं *राष्ट्र का गौरव मान बनूं*
यह दो *तुम मुझको वचन आज*
मैं *तुम सबकी पहचान बनूं*
मैं हिन्दी हूं।।

अदिति महाविद्यालय में हिंदी सप्ताह का सफल आयोजन

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में बाहरी दिल्ली के बवाना क्षेत्र में स्थित अदिति महाविद्यालय में हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विभिन्न संगोष्टी व अन्य रचनात्मक क्रियाकलाप द्वारा हिंदी के विभिन्न कार्यक्रम हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ मधु लोमेश द्वारा की गई। सभी कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के तौर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ ममता शर्मा मौजूद रही व एक संगोष्टी में उनकी शिक्षिका व जानी-मानी साहित्यकार एवं कवियत्री कुसुम शर्मा उपस्थित रही। जिसमें कि हिंदी दिवस को सफल बनाने के लिए हिंदी पुस्तक-प्रदर्शनी सहित आशु भाषण, स्वरचित कविता-पाठ, वाद-विवाद और फोटो शीर्षक-लेखन प्रतियोगिताओं में विजयी छात्राओं को मुख्य अथितियों द्वारा पुरुस्कृत किया गया। वहीं, हिंदी और वर्तमान मीडिया विषय पर हुए संगोष्ठी में सुप्रसिद्ध कवियत्री कुसुम शर्मा एवं रिपब्लिक टीवी की वरिष्ठ टीवी न्यूज़ एंकर सुमैरा खान ने छात्राओं को मीडिया में हिंदी का महत्व और हिंदी के बदलते स्वरूप से परिचित कराया। इस अवसर पर मौजूद प्रसिद्ध पत्रकार व फिल्म डायरेक्टर वीके शर्मा ने छात्रों को हिंदी के प्रयोग एवं व्यवहारिक स्तर पर हिंदी में देखे जा रहे नए शब्द रूपों से अवगत कराया व प्राचार्या ममता शर्मा ने 'मैं हिंदी हूं' कविता के द्वारा हिंदी को राष्ट्र का गौरव बनाने और विश्वव्यापी भाषा की पहचान बनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर हिंदी विकास के लिए संकल्प बद्घ होने का प्रण लेते हुए पौधारोपण भी किया गया और हिंदी विज्ञापन कार्यशाला में हिंदी में रोजगार पर संभावनाओं से विचार-विमर्श किया गया। इस प्रकार विभागाध्यक्ष मधु लोमेश सहित समस्त हिंदी विभाग में सक्रिय भागीदारी करते हुए हिंदी सप्ताह का सफल आयोजन किया। इसमें महाविद्यालय की विभिन्न प्राध्यापिकयाएँ, डॉ नीलम राठी, डॉ रश्मि शर्मा, डॉ आशा, डॉ जगता, डॉ मधु लोमेश, डॉ विधि शर्मा, डॉ रितु खत्री, डॉ कमलेश वाधवा, डॉक्टर देवेंद्र भारद्वाज, डॉक्टर आशा देवी, डॉ सविता कुमारी, डॉक्टर एनीवे, डॉक्टर हरकेश कुमार, और लैब अटेंडेंट मनोज कुमार ने सक्रिय सहयोग प्रदान कर इस वर्ष के हिंदी सप्ताह का सफलता पूर्वक समापन किया।

हिंदी दिवस : कानों से दिल में उतरती है मातृभाषा

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल...। मातृभाषा का विकास ही सभी उन्नतियों की जड़ है। भारतेंदु हरिश्चंद्र का हिंदी के लिए यह कथन सब कुछ कह जाता है। इसके हर शब्द कानों से दिल में उतर जाते हैं, क्योंकि ये केवल शब्द नहीं, बल्कि भाव होते हैं। विडंबना है कि हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा मिलने के बाद भी उसे वह स्थान नहीं मिल पाया है। यही वजह है कि हर साल हिन्दी दिवस मनाकर हमें संकल्प लेना पड़ता है कि हम हर जगह हिंदी का व्यवहार करेंगे।

विशेष समाचार

वाद-विवाद प्रतियोगिता

राजधानी दिल्ली के बवाना इलाके में स्थित अदिति महाविद्यालय में "हिन्दी सप्ताह" का आयोजन किया गया। हर साल की तरह ही इस साल भी कॉलेज में हिन्दी सप्ताह को बड़े ही धूम-धाम से मनाया गया। साथ ही हिंदी के महत्व से परिचित कराने के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें सभी छात्राओं ने बखुबी से अपना पक्ष-विपक्ष के विचार 3 मिनट में प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली व अव्वल आनी वाली छात्राओं को प्रमाण पत्र के साथ राशि भी दी गई। मैं पत्रकारिता विभाग का धन्यवाद देना चाहूंगी जिसने हमें अपनी मातृ भाषा में अपने विचारों को मजबूती से रखने के लिए मंच प्रदान किया।

मैं दुनिया की सभी भाषाओं की इज्जत करता हूं पर मेरे देश में हिंदी की इज्जत न हो, यह मैं सह नहीं सकता। - आचार्य विनोबा भावे

आशुभाषण प्रतियोगिता

अदिति महाविद्यालय में आयोजित 'हिन्दी सप्ताह' को सफल बनाने के लिए आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें की छात्राओं को उसी दौरान कुछ सामाजिक विषय जैसे- कामकाजी महिलओं की समस्याएं, युवाओं का सोशल मीडिया के प्रति बढ़ता रूझान और महिला सशक्तिकरण आदि दिए गए। कॉलेज की छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में भाग लेते हुए इन विषयों पर अपनी सकारात्मक सोच रखी।

स्वरचित कविता-पाठ प्रतियोगिता

हिंदी दिवस के अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के अदिति महाविद्यालय में हिंदी पत्रकारिता विभाग के संयोग से स्वरचित कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें की कॉलेज के हर विभाग की छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। इस प्रतियोगिता के अन्तर्गत छात्राओं को किसी भी विषय पर स्वरचित कविता को प्रस्तुत करना था। वहीं प्रतियोगिता में स्वरचित कविता पाठ के लिए के लिए केवल 3 मिनट की अवधि दी गई। स्वरचित कविता के निर्णायक मंडल के रूप में डॉ तृप्ता शर्मा थी। साथ ही इस प्रतियोगिता की विजयी छात्राओं को प्रमाणपत्र और विजयी राशि भी दी गई।

जीवन की परिभाषा

जन-जन की भाषा है हिंदी
भारत की आशा है हिंदी.....
जिसने पूरे देश को जोड़े रखा है
वो मजबूत धागा है हिंद .....
हिन्दुस्तान की गौरवगाथा है हिंदी
एकता की अनुपम परम्परा है हिंदी...
जिसके बिना हिन्द थम जाए
ऐसी जीवनरेखा है हिंदी...
जिसने काल को जीत लिया है
ऐसी कालजयी भाषा है हिंदी...
सरल शब्दों में कहा जाए तो
जीवन की परिभाषा है हिंदी...

फोटो शीर्षक-लेखन प्रतियोगिता

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में अदिति महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय में फोटो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर महाविद्यालय की प्राचार्या ममता शर्मा और जानी - मानी साहित्यकार एवं कवियत्री कुसुम शर्मा उपस्थित रहें। सर्वप्रथम कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्या ममता शर्मा ने किया। हिंदी दिवस पर फोटो प्रतियोगिता के अन्तर्गत सभी कोर्स की छात्राएँ प्रतिभागी रहीं। इस प्रतियोगिता के अन्तर्गत छात्राओं को कुछ विषय दिए जिसके अनुसार उन्हें फोटो खिचकर उस पर एक वाक्य में उसकी टिप्पणी करनी थी अर्थात उसको शीर्षक लिखें। इस प्रतियोगिता की विजयी छात्राओं को प्रमाणपत्र दिये गये। प्रमाणपत्र हमारी प्राचार्या ममता शर्मा द्वारा प्रदान किया गया।

सम्पादकीय पृष्ठ

हिन्दी का आधुनिकरण और उसकी वास्तविकता का बदलता स्वरुप...

हिंदी विश्व की प्राचीन, समृद्ध और सरल भाषा है। हिंदी भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में बोली जाने वाली भाषा है। हिंदी हमारी 'राजभाषा' है। दुनिया की भाषाओं का इतिहास रखने वाली संस्था एथ्नोलॉग के मुताबिक हिंदी दुनिया में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली तीसरी भाषा है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिंदी ही भारत की राजभाषा होगी। इस निर्णय के बाद हिंदी को हर क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के अनुरोध पर 1953 से पूरे भारत में 14 सितंबर को हर साल हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

भारत सालों तक अंग्रेजों का गुलाम रहा। इसी वजह से उस गुलामी का असर लंबे समय तक देखने को मिला। यहां तक कि इसका प्रभाव हमारी भाषा में पर भी पड़ा। वैसे तो हिन्दी दुनिया की तीसरी ऐसी भाषा है जिसे सबसे ज्यादा लोग बोलते हैं लेकिन इसके बावजूद हिन्दी को अपने ही देश में हीन भावना से देखा जाता है। आमतौर पर हिन्दी बोलने वाले को पिछड़ा व अनपढ़ माना जाता और अंग्रेजी में अपनी बात कहने वाले को आधुनिक कहा जाता है।

इसे हिन्दी का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि इतनी समृद्ध भाषा कोष होने के बावजूद आज हिन्दी लिखते और बोलते वक्त ज्यादातर अंग्रेजी भाषा के शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है। और तो ओर हिन्दी के कई शब्द चलन से ही हट चुके हैं। ऐसे में हिन्दी दिवस को मनाना जरूरी है ताकि लोगों को यह याद रहे कि हिन्दी उनकी राजभाषा है और उसका सम्मन व प्रचार-प्रसार करना उनका कर्तव्य है। हिन्दी दिवस मनाने के पीछे मंशा यही है कि लोगों को एहसास दिलाया जा सके कि जब तक वे इसका इस्तेमाल नहीं करेंगे तब तक हिन्दी भाषा का विकास नहीं होगा।

हिन्दी से जुड़े दिलचस्प तथ्य, जिन्हें पढ़कर होगा आपको गर्व

1. हिन्दी विश्व में चौथी ऐसी भाषा है जिसे सबसे ज्यादा लोग बोलते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, वर्तमान में भारत में 43.63 फीसदी लोग हिन्दी भाषा बोलते हैं। जबकि 2001 में यह आंकड़ा 41.3 फीसदी था। तब 42 करोड़ लोग हिन्दी बोलते थे। जनगणना के आंकड़ों के अनुसार 2001 से 2011 के बीच हिन्दी बोलने वाले 10 करोड़ लोग बढ़ गए। साफ है कि हिन्दी देश की सबसे तेजी से बढ़ती भाषा है।

2. इसे आप हिन्दी की ताकत ही कहेंगे कि अब लगभग सभी विदेशी कंपनियां हिन्दी को बढ़ावा दे रही हैं। यहां तक कि दुनिया के सबसे बड़े सर्च इंजन गूगल में पहले जहां अंग्रेजी कॉनटेंट को बढ़ावा दिया जाता था। वही गूगल अब हिन्दी और अन्य क्षेत्रीय भाषा वाले कॉन्टेंट को प्रमुखता दे रहा है। हाल ही में ई-कॉमर्स साइट अमेजन इंडिया ने अपना हिन्दी ऐप्प लॉन्च किया है। ओएलएक्स, क्विकर जैसे प्लेटफॉर्म पहले ही हिन्दी में उपलब्ध हैं। स्नैपडील भी हिन्दी में है।

3. इंटरनेट के प्रसार से किसी को अगर सबसे ज्यादा फायदा हुआ है तो वह हिन्दी है। 2016 में डिजिटल माध्यम में हिन्दी समाचार पढ़ने वालों की संख्या 5.5 करोड़ थी, जो 2021 में बढ़कर 14.4 करोड़ होने का अनुमान है।

4. 2021 में हिन्दी में इंटरनेट उपयोग करने वाले अंग्रेजी में इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों से अधिक हो जाएंगे। 20.1 करोड़ लोग हिन्दी का उपयोग करने लगेंगे. गूगल के अनुसार हिन्दी में कॉन्टेंट पढ़ने वाले हर साल 94 फीसदी बढ़ रहे हैं, जबकि अंग्रेजी में यह दर सालाना 17 फीसदी है।

5. अभी विश्व के सैंकड़ों विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है और पूरी दुनिया में करोड़ों लोग हिन्दी बोलते हैं। यही नहीं हिन्दी दुनिया भर में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली पांच भाषाओं में से एक है।

6. दक्षिण प्रशान्त महासागर के मेलानेशिया में फिजी नाम का एक द्वीप है। फिजी में हिन्दी को आधाकारिक भाषा का दर्जा दिया गया है। इसे फिजियन हिन्दी या फिजियन हिन्दुस्तानी भी कहते हैं। यह अवधी, भोजपुरी और अन्य बोलियों का मिलाजुला रूप है।

7. पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, न्यूजीलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, युगांडा, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद, मॉरिशस और साउथ अफ्रीका समेत कई देशों में हिन्दी बोली जाती है।

8. साल 2017 में ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में पहली बार 'अच्छा', 'बड़ा दिन', 'बच्चा' और 'सूर्य नमस्कार' जैसे हिन्दी शब्दों को शामिल किया गया।

स्त्रोत-गूगल

हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम

आशुभाषण प्रतियोगिता

फोटो शीर्षक-लेखन प्रतियोगिता

वाद-विवाद प्रतियोगिता

स्वरचित कविता-पाठ प्रतियोगिता